आमेर किला - भाग 1

Duration : 02.00

Transcribed words : 269

- संगीत -

विनोद कुमार शर्मा : आप लोग जिस आमेर को देखने आये हैं, आमेर टाऊन एक हजार वर्ष पुराना है... इस विलेज का नाम आमेर, शिव की अर्धांगनी अमृता देवी, अम्बा माँ और अम्बकेश्वर महादेव के नाम से आमेर रखा... ये विश्व का अजूबा शीशमहल, मानसिंह पैलेस, जलेब चौक, दीवान ए आम, अरावली से घिरा हुआ, पहाडों के बीच में, जो राजा मानसिंह, मुगल आर्मी चीफ जनरल थे, उनकी एक सोच थी... इस पैलेस में हिन्दू आर्ट, मुगल आर्ट, परशियन आर्ट और ब्रिटिश आर्ट को मिक्स करके फिर बनाया है... सामने जो वॉल आप देख रहे हैं ये पूरे बारह किलोमीटर में है... ये सारा अरावली है... अरावली गुजरात से स्टार्ट होकर दिल्ली में कम्पलीट होता है... और ये पैलेस का पहला भाग है... जहाँ राजा की अपनी आर्मी रहती थी... बैरेक्स... इस जगह का नाम है जलेब चौक... चार सौ साल पहले भी वास्तुकला हमारे यहाँ मौजूद थी... आप देखिये इधर पूरब है... इधर पश्चिम है... इधर उत्तर है... और इधर दक्षिण है... ये देखिये, राजा सूर्य वंशी थे भगवान रामचन्द्र जी के वंश के... ये सूर्य पोल गेट है कथाओं की नगरी... ये सूर्य पोल और रानी थी चन्द्र वंश की... ये सामने चाँद पोल गेट... नीचे जो आप देख रहे हैं चार सौ साल पहले भी हिन्दुस्तान में पानी का, हारवेस्टिंग का था... ये जो देख रहे हैं, एक पानी का टैंक यहाँ बना हुआ है... सामने ऊपर आप जो देख रहे हैं जयगढ़ है.... जयगढ़ की नजर सुरक्षा की दृष्टि से हमेशा आमेर पैलेस पर बनी रहती थी...

- संगीत -